Raga of the Month January 2024 Raga MargaBihag राग मार्गबिहाग

राग मार्गबिहाग कल्याण थाटसे उत्पन्न होनेवाला एक मनोरंजक राग है। आरोहमे ऋषभ धैवत वर्जित तथा अवरोह सम्पूर्ण है। इस रागकी जाती औडव सम्पूर्ण मानते है। इस रागमे वादी गंधार और सम्वादी निषाद है। गानसमय रात्रीका पहला प्रहर है। कुछ मार्मिकोंके कथनानुसार यदि बिहागको कल्याणके स्वरोंमे गाया जाय तो इस रागकी संकल्पना स्पष्ट हो जाती है।

हम जानते हैं की राग बिहागमे शुद्ध मध्यम लगता है, तीव्र मध्यम अल्प मात्रामे लगता है; तथा मारुबिहागमे तीव्र मध्यम प्रबल है; शुद्ध मध्यम अल्प मात्रामे लगता है। ये दोनों राग बहुत प्रचारमे हैं। लेकिन शुद्ध बिहाग जिसमे सिर्फ शुद्ध मध्यमका प्रयोग होता है ; और मार्गबिहाग जिसमे सिर्फ तीव्र मध्यमका प्रयोग होता है ; ये दोनों राग कम गाये जाते है।

“अभिनव गीत मंजरी” के पहले भागमे इस रागमे आचार्य श्रीकृष्ण नारायण रातंजनकरजीने रची हुई बंदिशें हम देख सकते हैं। इस रागका संक्षिप्त वर्णनभी किताबमे दिया हुआ है।

आजके ऑडियोमें हम विदुषी मालिनी राजूरकरने गायी हुई एक बंदिशका अंश तथा आचार्य श्रीकृष्ण नारायण रातंजनकरजी रचित दो रचनाएँ सुनेंगे, जो उनके शिष्य पंडित के जी गिंडेजीने गायी हुई है।

संदर्भ : “अभिनव गीत मंजरी” भाग १.

आभार : पंडित यशवंतबुवा महाले, श्री अजय गिंडे.

१- १ -२०२४

Link to the list of 150+ Raga of the month articles -

@ Archive of ROTM Articles - http://oceanofragas.com/Raga_Of_Month_Alphabetically.aspx